अस्मि

जेंडर सेंसिटाईज़ेशन कमेटी

रामलाल आनंद महाविद्यालय २०२०-२१

'अस्मि' विश्विद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निर्देशित कॉलेज की एक अनिवार्य समिति है |इसका उद्देश्य कॉलेज के विद्यार्थियों में और उनके माध्यम से समाज मे लैंगिक अस्मिता सम्बंधी समतामूलक पर्यावरण निर्मित करना है | किसी भी समाज के अस्तित्व के लिए ज़रूरी है कि उसमे पनपने वाली व्यक्तिगत और सामूहिक अस्मिताओं की सुरक्षा हो | उनको उत्तरोत्तर और सतत विकास के समान और प्रचुर अवसर मिल पायें |प्रत्येक को सम्मान पूर्वक अपने जीवन के निर्णयों को लेने का अधिकार हो | 'अस्मि' ने इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए लैंगिक समानता के मुद्दों पर कई रचनात्मक और जागरूकता प्रसार केन्द्रित गतिविधियाँ आयोजित की | इन कार्यों को तीन भागों में बांटा जा सकता है -संरचनागत,जागरूकता परक और रचनात्मक |

चूंकि इस समिति का गठन इसी वर्ष किया गया है इसलिए समिति को आरम्भ करने के लिए इसकी संरचना का परिभाषित होना आवश्यक है |अस्मि समिति में मुख्य रूप से तीन तरह के सदस्य हैं पहले इसके जेंडर चैम्पियन - जो इस समिति से जुड़े अध्यापको के नेतृत्व में समिति के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए गतिविधियों का चयन , आयोजन और प्रचार करते हैं |इस वर्ष यूं जी सी द्वारा निर्धारित प्रक्रिया का अनुपालन करते हुए दस जेंडर चैम्पियन चुने गए |दुसरे , अस्मि -ई जर्नल के सम्पादक छात्र |इन संपादकों का चयन भी इनकी रचनात्मक प्रतिभा और विषय आधारित समझ की जांच के बाद किया गया | तीसरे ,सामान्य सदस्य -जो अपनी इस समिति से सम्बंधित अभिरुचि को ज़ाहिर कर इस समिति के सदस्य बने |समिति की सभी गतिविधियों में इन तीनो तरह के सदस्यों की उपस्थिति अनिवार्य है |

जागरूकतापरक कार्यों के अंतर्गत लैंगिक संवेदीकरण के सामान्य उद्देश्य को लेकर इस समिति में विद्यार्थियों के लिए क्रमशः दिनांक २३ नवम्बर २०२० और २९ दिसम्बर २०२० को दो ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किये गए |पहले कार्यक्रम में प्राचार्य महोदय द्वारा अभिव्यक्त किये गए विचारों और समिति की सम्मिलित दृष्टि के आधार पर समिति का उद्देश्य और समिति के मूल्य निर्धारित किये गए जो कॉलेज परिसर में विद्यार्थियों के सहज पठन और प्रेरणा के लिए बोर्ड के रूप में लगा दिए गए है | दिनांक ३१ मार्च २०२१ और ११ अप्रैल २०२१ को दो अंतर्क्रियात्मक सत्र आयोजित किये गए |दोनों अंतर्क्रियात्मक सत्र समिति के जेंडर चैम्पियंस और छात्र संपादको द्वारा परिकल्पित ,प्रचारित ,आयोजित और संयोजित थे |दोनों ही सत्रों में कॉलेज के लगभग सभी विभागों के से प्रतिभागिता थी | फीडबैक के द्वारा इन कार्यक्रमों की प्रभावोत्पादकता का आकलन किया गया |

अस्मि का वास्तविक उद्देश्य नेतृत्व ,विचार विमर्श और सृजनात्मकता के प्रसार के साथ विद्यार्थियों में समतामूलक दृष्टिकोण का विकास करना है |इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए समिति के तत्वावधान में दो महत्व पूर्ण गतिविधियाँ आयोजित की गयी एक ,नवम्बर माह को समिति के लिए 'लोगो' निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन -जिसमे कक्षा बी कॉम तृतीय वर्ष की छात्रा भूमि चांदवानी ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया |भूमि द्वारा निर्मित यह लोगो अब अस्मि समिति का औपचारिक लोगो है |इस समिति के तत्वाधान में एक 'अस्मि ' ई-जर्नल का भी प्रकाशन किया जा रहा है | यह छात्रों को अपने मन और समाज की अनजानी अनबूझ पहेलियों पर अपने विचार रखने का मंच प्रदान करता है |इसके पहले अंक का प्रकाशन मार्च २०२१ में संपन्न हुआ -इस अंक का केन्द्रीय विषय है -'भाषा और रंगों में लिंगभेद प्राकृतिक या समाज निर्मित ! ' | इस अंक की परिकल्पना से लेकर सम्पादन और पृष्ठ निर्माण - सज्जा सभी कार्यों का सम्पादन विद्यार्थी

संपादकों ने किया |अस्मि ई-जर्नल का पहला अंक कॉलेज की वेबसाइट पर प्रकाशन दीर्घा में पाठकों के पढने के लिए उपलब्ध है |

इस वर्ष समिति के जेंडर चैम्पियंस हैं - जेनिस जॉयस ,ऋषिता पराशर ,सैजल बजाज ,लावांगी भल्ला, नंदिनी लावण्या ,सावी गुप्ता ,कल्याणी भटनागर ,रूपर्ण| चक्रवर्ती ,चिन्गाखाम लिली चानू ,कृति चोपड़ा ,अभिषेक कुमार ,रवि और अस्मि ई जर्नल के संपादको के नाम हैं अंजलि ,विकास त्रिपाठी ,पलक अरोडा ,श्रावणी उपाध्याय |इन सभी छात्रों की समिति के प्रति निष्ठा और कर्मठता सराहनीय है |

इस वर्ष समिति के शिक्षक मेंटर है-डॉ मानवेश नाथ दास ,डॉ कुलदीप ,डॉ ऋतू वत्स,डॉ निधि एस चन्द्र,सुश्री दीपशिखा(सह संयोजक) ,डॉ श्रुति आनंद (संयोजक) | प्राचार्य महोदय की प्रेरणा और सभी शिक्षक तथा छात्र साथियों के सम्मिलित सहयोग और श्रम से इस समिति को रूपाकार और एक विशिष्ट पहचान मिली है|

संयोजक
डॉ श्रुति आनंद
सह संयोजक
सुश्री दीपशिखा